

**नामधाम** पुं. (तत्.) (व्यक्ति के) नाम तथा निवास-स्थान के बारे में कुछ जानकारी, नाम-ग्राम, नाम-पता।

**नामधारक** वि. (तत्.) जो नाम-मात्र का अधिकारी हो, जैसे- वह नामधारक निर्देशक है, प्रभावी नहीं।

**नामधारी** पुं. (तत्.) 1. सिक्ख संप्रदाय की एक शाखा 2. सिक्ख संप्रदाय का अनुयायी सिक्ख वि. नाम धारण करने वाला।

**नामधेय** पुं. (तत्.) नाम, संज्ञा वि. नामवाना, नामक जैसे अशोक नामधेय अर्थात् 'अशोक' नाम वाला।

**नामनिक्षेप** पुं. (तत्.) नाम-स्मरण (जैनधर्म)।

**नामनिर्दिष्ट** वि. (तत्.) नामांकित, नामित जैसे- नामनिर्दिष्ट अधिकारी।

**नामनिर्देश** पुं. (तत्.) नाम का उल्लेख, नाम लेकर कथन।

**नामनिर्देशन** पुं. (तत्.) नामांकन।

**नामनिर्देशपत्र** पुं. (तत्.) नामांकन पत्र।

**नामनिर्देशिनी** पुं. (तत्.) मनोनीत व्यक्ति।

**नामनिवेश** पुं. (तत्.) खाते, रजिस्टर आदि में नाम चढ़ाया जाना enrolment नामांकन

**नामनिशान** पुं. (सं.+फा.) 1. नाम और निशान 2. ऐसा चिह्न जिससे किसी व्यक्ति, वस्तु या बात के होने का प्रमाण मिले, सूचक चिह्न 3. अवशेष।

**नामपंक्ति** स्त्री. (तत्.) समाचार-पत्र में समाचार के पहले संवाददाता या समाचार एजेंसी के नाम का उल्लेख।

**नामपट्ट** पुं. (तत्.) लकड़ी अथवा लोहे आदि की बनी हुई वह तख्ती जिस पर व्यक्ति/संस्था/ दुकान आदि का नाम लिखा होता है और जिसे प्रायः घर, कार्यालय, दुकान आदि पर टाँग देते हैं। signboard

**नामपत्र** पुं. (तत्.) 1. निर्देश-पत्र, नाम की पर्ची। label

**नामपत्रित** वि. (तत्.) जिस पर नाम पत्र लगा हुआ या लगाया गया हो।

**नामपदप्रक्रिया** स्त्री. (तत्.) संज्ञा, सर्वनाम आदि शब्दों में प्रत्यय लगाकर पद बनाने की प्रक्रिया।

**नामपद्धति** स्त्री. (तत्.) किसी वर्गीकरण पद्धति में प्राथमिक पदों के नामकरण की एक सुसंगत पद्धति।

**नामबरदार** स्त्री. (फा.) 1. प्रतिष्ठित 2. प्रसिद्ध, नामी।

**नामबरदारी** स्त्री. (फा.) 1. प्रतिष्ठित होना 2. प्रतिष्ठा 3. प्रसिद्धि।

**नामबोला** पुं. (तत्.+तद.) ऐसा व्यक्ति, जो ईश्वर या देवता के नाम का उच्चारण या जप करता हो।

**नाममात्र** वि. (तत्.) कहने भर के लिए, बहुत थोड़ा, अत्यल्प जैसे नाममात्र वर्षा होना।

**नाममाला** स्त्री. (तत्.) 1. नामों की माला/पंक्ति/तालिका/सूची 2. नामवली, नाम-संग्रह।

**नाममुद्रा** स्त्री. (तत्.) 1. किसी के नाम की मुहर 2. जिस अँगूठी पर किसी का नाम अंकित हो।

**नामयज्ञ** पुं. (तत्.) ऐसा यज्ञ जो प्रसिद्धि पाने के लिए किया जाए, किसी धार्मिक उद्देश्य से नहीं।

**नामरासी** वि. (तद.) 1. एक ही नाम वाले या समान नामों वाले लोगों में से प्रत्येक 2. समान नाम वाला।

**नामरूप** पुं. (तत्.) 1. नाम और रूप (किसी व्यक्ति या वस्तु का) 2. मन से युक्त दृश्यमान् शरीर 3. बौद्ध दर्शन में, गर्भ में स्थित एक महीने के भ्रूण की संज्ञा।

**नामरूपात्मक** स्त्री. (तत्.) 1. अनेक नामों और रूपों वाला जैसे- नामरूपात्मक जगत 2. नाम और रूप से संबंधित।

**नामर्द** वि. (फा.) 1. नपुंसक, हिजड़ा, क्लीव 2. कायर 3. डरपोक, बुज़दिल।

**नामर्दी** स्त्री. (फा.) 1. नपुंसकता 2. कायरता 3. स्त्रैणता 4. डरपोकपन 5. बुज़दिली।